## || हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ज्योतिष ब्लॉग ||

**Website :** https://JyotishShastra.com
**Email :** info@jyotishshastra.com
**Horoscope Email :** horoscope@jyotishshastra.com
**Horoscope Web Link :** https://JyotishShastra.com/horoscope

| | |
|---|---|
| NAME: | Shri Ritesh Sharma |
| GENDER: | Male |
| DATE OF BIRTH: | 12 January, 1983 |
| TIME OF BIRTH: | 7:00 AM |
| CITY: | Lucknow, |
| STATE: | Uttar Pradesh |
| COUNTRY: | India |
| LANGUAGE: | Hindi |
| PROCEDURE: | Vedic Parashar Shastra |
| QUESTION(S): | 5 years se same position and no salary increment. |

**ॐ श्री गणेशाय नमः**

## कुंडली की विवेचना :

आप ढृढ़ इच्छा शक्ति वाले हैं | जिस काम को ठान लें पूरा करते हैं | आप भावुक प्रवृत्ति वाले हैं | आप ईगोइस्ट हैं | आपमें कॉन्फिडेंस लेवल की कमी है | आप आलसी हैं | आप स्पष्ट सोच नहीं रखते हैं | आप स्पष्ट निर्णय लेने में भी हिचकते है | कंफ्यूज से रहते हैं | ईश भक्ति की तरफ आपका रुझान कम है | आप यदि चाहे तो काली विद्या, जादू, ज्योतिष बड़ी ही सरलता से सीख सकते हैं | आपको ऐसा लगता है कि आपको सब कुछ पता है एवं आपको किसी से पूछने या सहायता लेने की आवश्यकता नहीं है | ऐसा है भी | यह आपमें ईगो के कारण है व इस प्रवृत्ति से आपको अक्सर हानि भी उठानी पड़ती है | अक्सर आपको घटनाओं के घटित होना का पूर्वाभास हो जाता है |

आपको भाई - बहिन से पूर्ण सपोर्ट मिलता है व दोनों ओर से प्रेम भाव भी अधिक हैं | आपके पारिवारिक जीवन में सब कुशल रहेगा | आपकी पत्नी आपसे निष्ठा व प्रेम भाव रखती हैं | पत्नी के साथ आपसी समझ बूझ ( अंडरस्टैंडिंग ) की कमी है | आपकी पत्नी आपको पूर्ण सहयोग देती हैं किन्तु आपकी तीखी वाणी के कारण

अकारण ही मतभेद हो जाते हैं | आपकी ईगो के कारण भी ऐसा होता है | पत्नी का ख़याल रखने, प्रेम भाव रखने व सम्मान देने पर आपको धन लाभ अवश्य ही मिलेगा |

आपको सर या पैर में चोट लगने की संभावना प्रबल है | वाहन का प्रयोग सावधानी से करें | हृदय, नेत्र, हड्डी, नर्वस सिस्टम से सम्बंधित रोगों की व्याधियां आपको परेशान करती रहेंगी | सचेत रहे व समय पर चिकित्सा कराएं |

आप यदि व्यापार करेंगे तो धन हानि होगी | आजीविका हेतु नौकरी करना सर्वोत्तम रहेगा | फिर भी यदि व्यापार करना ही चाहते हैं तो तेल, शराब, एंटीटॉक्सीकेटिंग वस्तुओं की ट्रेडिंग कर सकते हैं | लाभ मिलने की संभावना है | कार्यस्थल पर आपके सामने आपके सहयोगी, अधिकारी सब ठीक रहते हैं, किन्तु पीठ पीछे वे आपका सपोर्ट नहीं करते हैं | इस कारण आपको नौकरी, प्रमोशन व फाइनेंशियल लाभ प्राप्ति में बाधा आती है |

वर्तमान में चन्द्रमा में गुरु की महादशा चल रही है व राहु की प्रत्यंतर दशा है जो 13/12/2017 तक है, तो इस कारण परेशानी तो रहेगी ही |

इसके पश्चात शनि की महादशा प्रारम्भ होगी | इसमें आपके नौकरी में प्रमोशन, नई नौकरी मिलने के पूर्ण चांस है |

प्रमोशन अथवा नै नौकरी जनवरी 2018 तक मिलने की संभावना दिखाई दे रही है | इस समय से लाभ लेने हेतु इसे प्रबलता देनी होगी | इसके लिए निम्नवत दिए जा रहे उपाय आपको पूर्ण श्रद्धा व भक्ति भाव से नियमानुसार नित्य ही करने होंगे | आपको आलस्य का पूर्ण त्याग करना होगा |

## उपाय :

नौकरी में स्थिरता, उन्नति, धन लाभ प्राप्ति हेतु सूर्य भगवान् एवं अपने ईष्ट शिवजी को यदि आपने प्रसन्न कर लिया तो आपका बेड़ा पार लग जायेगा | जीवन भर आपको रोज़गार व धन की समस्या नहीं आएगी |

## सूर्य को प्रबल करने हेतु उपाय :

**1.** नित्य प्रतिदिन ( डेली ) सूर्योदय से पूर्व उठ जाएँ | इसमें आलस्य बिलकुल भी न करें | जीवन पर्यन्त के लिए इसे अपनी आवश्यक आदत बना लें | स्नान के उपरान्त सूर्योदय से लगभग 48 मिनट पूर्व से आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करना प्रारम्भ करें | समय की व्यवस्था इस प्रकार करें जिससे की सूर्योदय से पूर्व ही पाठ समाप्त हो जाए |

**2.** आपके ईष्ट शिवजी हैं | परद से निर्मित शिवलिंग की प्रतिदिन दूध से उपसाना करें |

आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने के पश्चात शिवजी की उपासना करनी है ( सूर्योदय के पश्चात भी कर सकते हैं ) | इसके लिए मंत्र - || ॐ रुद्राय नमः || का 11 बार जाप करते - करते दूध का अभिषेक ( नहलाएं ) करें | दूध के साथ अक्षत ( बिना टूटे चावल ), काले तिल अथवा काली उड़द, शहद, सफ़ेद पुष्प ( रंगीन पुष्प का प्रयोग न करें ) भी अर्पण करने से अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे |

सूर्योदय के तुरंत पश्चात लगभग 15 - 20 मिनट सूर्य से सम्मुख ( सामने ) बैठें व मंत्र || ॐ ह्रीं हं साः || का 1 माला ( 108 बार ) जाप करें | जप करने हेतु 108 दानो की कोई भी माला ले लें |

इसके बाद सूर्य को हल्दी व शहद मिलाकर जल अर्पित करें |जल का लोटा अपने सर के उप्पर ले जाएँ व उप्पर से ही जमीन पर धार बनाकर जल छोड़े | सूर्य को देखते हुए जल अर्पित करना है व अर्पित करते हुए मंत्र || ॐ घ्रणि: सूर्याय नमः || का जाप करते रहे |

**3.** अनिवार्य रूप से संध्या को सूर्यास्त से लगभग 48 मिनट पूर्व से मंत्र - || ॐ ह्रीं हं साः || का मन ही मन जप करते रहे | ऑफिस में हैं तो कुर्सी पर बैठे बैठे ही जितनी देर तक कर सकें कर लें | बिज़ी हों तो रुक रुक कर भी कर सकते हैं | मंत्र जप सूर्यास्त से पूर्व ही करें सूर्यास्त के पश्चात न करें |

**4.** अपने जन्मदिन पर आजीवन शिव मंदिर में पुजारी द्वारा रुद्राभिषेक करवाएं व सवा किलो अथवा यूँ कहें तो एक परिवार के पूरे दिन के गेहूं के आटे की खपत ( कंसम्पशन ) के बराबर दान करें |

**5.** पुत्र एवं पुत्री के जन्मदिवस पर आजीवन शिव मंदिर में पुजारी द्वारा रुद्राभिषेक करवाएं व सवा किलो अथवा यूँ कहें तो एक परिवार के पूरे दिन के गेहूं के आटे की खपत ( कंसम्पशन ) के बराबर दान करें |

## बुध ग्रह को प्रबल करने हेतु उपाय :

**1.** सौंफ व मिश्री का सेवन करें | दिन में ३ - ४ बार सेवन करें | किसी से मीटिंग करने से पूर्व आवश्यक रूप से करें |

**2.** बुधवार के दिन प्रत्येक सप्ताह अथवा संभव न होने की स्थिति में महीने में एक बार हरी सब्जी का दान 8 वर्ष से कम उम्र की कन्याओं को करें |

**3.** बुधवार के दिन महीने में एक बार हरे कपड़ों का दान 8 वर्ष से कम उम्र की कन्याओं को करें | ऐसा संभव न हो पाने की स्थिति में बुधवार के दिन प्रत्येक सप्ताह गाय को हरा चारा अवश्य ही खिलाएं |

**4.** अपने घर की छत्त साफ़ रखें |

**5.** मंगलवार की रात सोते समय एक मुट्ठी हरी मूंग दाल को कटोरी में जल लेकर भिगो दें अपने सिरहाने रखकर सो जाएँ | बुधवार की सुबह उठते ही सर्वप्रथम इस भीगी दाल को कबूतर या चिड़ियों को खिलाएं |

## रत्न :

आपको **पुखराज**, **माणिक्य** एवं **मूंगा** रत्न धारण करने की अनुशंसा की जाती है |

## पुखराज रत्न धारण करने की की विधि:

पुखराज को स्वर्ण की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के ब्रहस्पति वार के दिन सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर धारण करें! पुखराज धारण करने से पहले इसकी विधिवत पूजा-अर्चना करनी चाहिए।

इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, शहद, घी एवं शक्कर के घोल में डाल दे, फिर पांच अगरबत्ती ब्रहस्पति देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे ब्रहस्पति देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न पुखराज धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान

करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ ब्रह्म ब्रह्स्पतिये नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए तत्पश्चात अंगूठी विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर तर्जनी में धारण करे |

ब्रहस्पति के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का पुखराज ही धारण करे, अच्छे प्रभाव के लिए पुखराज का रंग हल्का पीला और दाग रहित होना चाहिए , पुखराज में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभावों में कमी आ सकती है | प्रभाहीन, धारीदार, दूधिया रंग वाला, जालदार, काली छींटों से युक्त अथवा सफेद बिन्दुओं से युक्त पुखराज रत्न का धारण अथवा प्रयोग सर्वथा निषेध होता है। लाल छींटे, गड्ढे, खरोंच और एक साथ दो रंगों से युक्त पुखराज रत्न भी अनिष्ट का कारक होता है।

## माणिक्य रत्न धारण करने की विधि :

सूर्य देव के रत्न माणिक्य को ताम्बे की या स्वर्ण अंगूठी में जड्वाकर किसी भी शुक्लपक्ष के प्रथम रविवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात् अपने दाये हाथ की अनामिका में धारण करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती सूर्य देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे सूर्य देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा हूँ | मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर "ॐ घ्रणिः सूर्याय नम:" मन्त्र का जाप 108 बारी करते हुए अंगूठी को अगरबती के ऊपर से घुमाये और अंगूठी को विष्णु या सूर्यदेव के चरणों से स्पर्श करवा कर अनामिका में धारण करे |

## मूंगा रत्न धारण करने की की विधि :

मंगल देव के रत्न, मुंगे को स्वर्ण या ताम्बे की अंगूठी में जड्वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के किसी भी मंगलवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करे | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, घी, शहद एवं शक्कर के घोल में डाल दे, फिर पांच अगरबत्ती मंगल देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे मंगल देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न मुंगा धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ अं अंगारकाय नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए तत्पश्चात अंगूठी हनुमान जी के चरणों से स्पर्श कराकर अनामिका में धारण करे | मंगल के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के

लिए उच्च कोटि का मुंगा ही धारण करे, मुंगे का रंग लाल और दाग रहित होना चाहिए , मुंगे में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभाओं में कमी आ सकती है |

नोट :- रत्न अच्छी क्वालिटी का व दोषमुक्त ही धारण करना उत्तम फलदाई होता है | दोषयुक्त व नकली रत्न उल्टा प्रभाव भी दे देते हैं | रत्न समय के साथ धीरे - धीरे व एक - एक कर धारण करते रहें | तुरंत धारण आवश्यक नहीं है, क्यूंकि यह कॉस्टली होते हैं | रत्न विश्वासपात्र व्यक्ति अथवा विश्वसनीय स्थान से ही खरीदें |

नोट :- आस्था और श्रद्धा से कुछ और बड़ा नही है | लाभ पूर्ण रूप से प्राप्त करने हेतु पूजन एवं उपाय पूर्ण श्रद्धा व भक्ति भाव से करें | बोझिल मन से कतई न करें | आलस्य का पूर्ण रूप से त्याग कर दें | ईगो को समाप्त कर दें | वाणी पर अंकुश लगाएं | सूर्य भगवान् को यदि आपने मन लिया तो आजीवन नौकरी, प्रमोशन, धन सबमें अवश्य ही वृद्धि मिलेगी | यदि सूर्य भगवान् की कृपा आप पर बरस पड़ी तो लोग आपके पीछे पीछे घूमेंगे |

उपाय कठिन नहीं हैं | केवल आपको अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करना है | लाभ प्राप्ति हेतु ऐसा करना कोई बड़ी बात नहीं है | यह पुण्य कर्म हैं जिनका लाभ अवश्य ही प्राप्त होता है |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख शान्ति स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

———————————